Ex.P.-471

कथन – मनीष दुबे

थाना	–	राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर
अपराध क्रमांक	–	09 / 2015
धारा	–	13(1) डी, 13(2) पी0सी0 एक्ट 1988, 109, 120 बी भा0द0वि0
नाम व पिता का नाम	–	मनीष दुबे पिता स्व. डा. एम.एम. दुबे
उम्र	–	44 वर्ष
वर्तमान पता	–	श्रद्धा द्विप मेन रोड़, शंकर नगर, रायपुर (छ0ग0)
मोबाईल नंबर	–	93002–03477, 98271–91835
व्यवसाय	–	संचालक, विद्या मेडिकल स्टोर, शंकर नगर, रायपुर

––00––

मैं मनीष दुबे पूछे जाने पर बता रहा हूं कि मैं विद्या मेडिकल स्टोर, शंकर नगर रायपुर का संचालक हूं। आज मुझे आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो कार्यालय में मेरे मोबाईल नंबर 93002–03477 पर मेरे बड़े भाई डा. आनंद दुबे के मोबाईल नंबर 98271–97924 से हुई वार्तालाप ट्रान्सक्रिप्शन दिखाया गया एवं टेप की हुई आवाज को सुनाया गया। ट्रांसक्रिप्शन पढ़ कर एवं रिकार्ड की हुई बातें सुनकर वार्तालाप के संबंध में बता रहा हूं कि :–

दिनांक 13.02.2015 के 14:11:55 बजे प्रारंभ होकर दिनांक 13.02.2015 के 14:13:36 बजे का कॉल मेरे मोबाईल नंबर पर मेरे बड़े भाई डा. आनंद दुबे से उनके मोबाईल नंबर 98271–97924 से हुई वार्तालाप है। उक्त वार्तालाप में भाई साहब ने मुझसे कहा था कि शुभा (मेरी भाभी) अभी टेलर से मिलना चाहती है, तब मेरे द्वारा उन्हें बताया गया था कि वो टेलर नहीं है, जय होजियरी के नाम से स्पोर्स्टस के कपड़े की दुकान वाला है। इस पर भाई साहब ने मुझसे कहा था कि जब तुम जिम जावोगे तो अपनी भाभी को साथ लेकर उस दुकान में चले जाना। तब मैंने भाई साहब से पूछा था कि भाभी तो एक बार में काम फाईनल कर देगी या आप दुबारा लेकर जायेंगे। इस पर भाई साहब द्वारा मुझे कहा गया था कि एक बार फाईनल हो जाये तो बाकि चीजे मैं करा दूंगा। इस पर मेरे द्वारा उन्हें कहा गया था कि उसकी दुकान में सारी चीजे रहती है, आप भाभी के साथ जाकर एक बार में फाईनल कर दिजिये। एक बार मैं लेकर जाउ फिर आप लेकर जाये इसका कोई फायदा नहीं है। मैंने भाई साहब के पूछने पर दुकान का लोकेशन बताया था।

दिनांक 13.02.2015 के 16:44:53 बजे प्रारंभ होकर दिनांक 13.02.2015 के 16:47:13 बजे का कॉल मेरे मोबाईल नंबर पर मेरे बड़े भाई डा. आनंद दुबे से उनके मोबाईल नंबर 98271–97924 से हुई वार्तालाप है। उक्त वार्तालाप में भाई साहब ने बताया था कि वह जय हिंद होलसेल होजियरी पहुंच गये है, तब मेरे द्वारा उन्हें बताया गया था कि वो

आखरी वाली दुकान है, वहां दर्शन सेठ मिलेंगे, उन्हें बता दिजियेगा कि मनीष दुबे ने कल आपसे बात की थी तो वह (दर्शन सेठ) जो भी सामान होगा आपको दिखा देंगे।

दिनांक 13.02.2015 के 17:09:13 बजे प्रारंभ होकर दिनांक 13.02.2015 के 17:10:00 बजे का कॉल मेरे मोबाईल नंबर से मेरे बड़े भाई डा. आनंद दुबे से उनके मोबाईल नंबर 98271–97924 पर हुई वार्तालाप है। उक्त वार्तालाप में मैंने भाई साहब से पूछा था कि सामान देख रहे है क्या? इस पर भाई साहब द्वारा बताया गया था कि अभी दुकान पर ही बैंठे हैं। मेरे द्वारा भाई साहब से यह भी पूछा गया था कि उनकी मसाज कराने की इच्छा तो नहीं है। इस पर भाई साहब द्वारा कहा गया था कि इच्छा तो है पर सामान मिलने के उपर डिपेन्ड करता है। भाई साहब ने यह भी कहा था कि अभी समय मिल जायेगा, मैं वहां आ जाउंगा, वहां से शुभा को घर छुड़वाना पड़ेगा। इस पर मेरे द्वारा उन्हें कहा गया था कि आप पहले होजियारी का काम पूरा करके जिम आ जाईयेगा। फिर मैंने उन्हें बताया था कि राज (मसाज करने वाला) अभी नहीं आया है, वह आ जायेगा तो आपको फोन करूंगा।

मेरे भाई साहब डा. आनंद दुबे एवं भाभी डा. शुभा दुबे विद्या हॉस्पिटल एवं किड्नी सेन्टर के नाम से शंकर नगर रायपुर में नर्सिंग होम चलाते है। भाभी द्वारा एक दिन पहले मुझसे कहा गया था कि उन्हें हॉस्पिटल स्टॉफ के लिये ड्रेस सिलवानी है, यदि कोई जानकार हो तो बताना। इस पर मैंने जय होजियरी के मालिक दर्शन से बात करके भाभी को बताया था कि जय होजियरी चले जाना आपका काम हो जायेगा। उक्त वार्तालाप इसी सिलसिले में भाई साहब से हुई थी। मैं प्लेनेट फिटनेंस के नाम से देवेन्द्र नगर रायपुर में जिम चलाता हूं। राज मेरे जिम में मसाज का काम करता है। इसी लिये मैंने भाई साहब से पूछा था कि उनका मसाज कराने का मन है क्या। यही मेरा कथन है।

दिनांक 25.04.2015

(एस0डी0 देवस्थले)
निरीक्षक
आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो,
रायपुर, छत्तीसगढ